

मध्यम विद्यार्थी पुस्तक

1. शौर्य देवाला प्रथम स्थान देते

दानीएल 1: नविन घर व शाळा



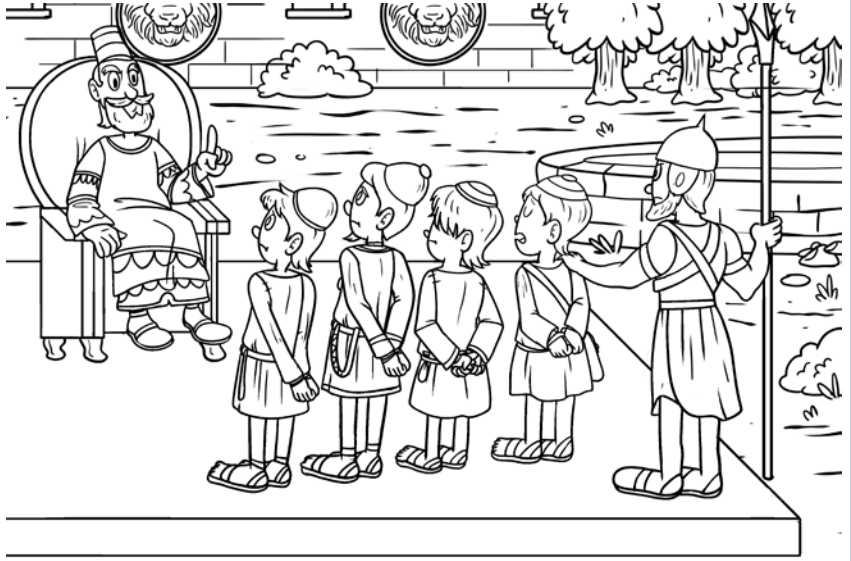
पाठांतर वचन

रोमकरांस पत्र 12:2
“देवाची उत्तम, ग्रहणीय व
परिपूर्ण इच्छा काय आहे
हे तुम्ही समजून घ्यावे,
म्हणून ह्या युगाबरोबर
समरूप होऊ नका,
तर आपल्या मनाच्या
नवीकरणाने स्वतःचे
रूपांतर होऊ द्या.”

आजच्या गोष्टीचे चित्र काढा.

अशा गोष्टींचा विचार करा ज्यामध्ये देवाची आज्ञा
पाळणे तुम्हाला कठीण वाटते. मदतीसाठी देवाला
विनंती करा आणि मग पूर्ण दिवस त्याची आज्ञा पाळा





| | | | | | | | | | | | | | |
|----|-----|-----|------|------|----|-----|----|----|------|-----|-----|-----|----|
| न | बु | ख | न्दे | स्स | र | चो | न | ब | ज्ञा | न | प | ब | दा |
| जे | प | रा | व | र्ती | त | झा | ले | बा | ल | दा | प्र | बा | नि |
| न | दा | बा | प्र | दा | ल | न | जे | प | जे | फ | न | फ | य |
| बा | बे | ल | ब | फ | ल | प्र | चो | फ | प्र | ब | बा | ल | ल |
| ज | बा | प्र | र | ब | जे | बा | ल | री | बा | का | चो | दा | प |
| ग | न | प | हु | फ | दा | चो | डी | चो | क | ब | श | प्र | जे |
| प | दा | जे | कू | ल | प | जे | बा | प | प्र | र | प | जे | व |
| शौ | र्य | ब | म | ब | फ | स | वि | णे | ब | फ | णे | प | ण |
| जे | भ्र | बा | प्र | न | फ | ल | न | चो | बा | न | प | ल | बा |
| दा | ष्ट | चो | दा | बा | प | दा | ब | जे | दा | प्र | प | हि | ला |

दानियल
नबुखन्देस्सर
बाबेल
शौर्य
पहिला

बरहुकूम
परावर्तीतझाले
भ्रष्ट
जग
जेवण

प्रकाश
लबाडी
फसविणे
चोरीकरणे
ज्ञान



2. शौर्य देवाकर भ्रवसा ठेवते दानीएल 3: अग्नीची परिक्षा



असे क्षण लिहून ठेवा
जेव्हा तूम्ही दैवाचा विचार
कराल किंवा देव जवळ
आहे असे तुम्हाला वाटेल,
आणि त्याबाबत उद्या
आपल्या शिक्षकांना सांगा

आजच्या गोष्टीचे चित्र काढा.

पाठांतर वचन

स्तोत्रसंहिता 47:2
“कारण परमेश्वर परात्पर
व भयप्रद आहे; तो
अखिल पृथ्वीचा महान
सार्वभौम राजा आहे.”



शौर्य
देव
आज्ञानपाळणे
शद्रख
मेशख
अबेदनगो
शरणजाणे
अग्नी
भट्टी
धूर
येशू
तारण
वधस्तंभ
पुनरूत्थान

| | | | | | | | | | | | |
|------|------|----|----|------|----|----|----|------|----|------|-----|
| मे | श | अ | आ | मे | दे | व | ता | श | मे | शौ | श |
| आ | आ | मे | श | अ | मे | आ | अ | आ | व | मे | र्य |
| अ | ज्ञा | ता | श | द्र | व | श | मे | ता | मे | ता | श |
| श | न | मे | व | आ | ख | आ | श | मे | श | ख | आ |
| श | पा | श | श | व | मे | अ | मे | अ | श | पु | मे |
| आ | ळ | श | ता | र | श | आ | धू | र | अ | न | अ |
| मे | णे | पु | मे | व | ण | श | अ | पु | मे | रू | बे |
| श | ता | आ | अ | आ | पु | जा | ता | श | आ | त्था | दन |
| अ | अ | ता | भ | ट्टी | व | मे | णे | व | ये | न | गो |
| ग्नी | मे | मे | पु | श | श | ता | अ | श | शू | अ | मे |
| आ | श | श | आ | अ | मे | पु | आ | मे | ता | श | आ |
| मे | ता | र | ण | ता | अ | व | ध | स्तं | भ | श | मे |



3. शौर्य सत्य सांगते'

दानीएल 4: वाईट बातमीचे स्वप्न



पाठांतर वचन

करिथकरांस पहिले
पत्र 13:6
“ती अनीतीत आनंद
मानत नाही, तर
सत्यासंबंधी आनंद
मानते.”

आजच्या गोष्टीचे चित्र काढा.

उर्वरीत दिवसामध्ये “मी” म्हणणे टाळा. जेव्हा तुम्हाला
‘मी’ शब्द बोलण्याचा मोह होईल तेव्हा स्वतःला सांगा,
“सर्वकाही माझ्याबाबत नाही”, आणि त्यापेक्षा इतरांवर
लक्ष केंद्रित करा.

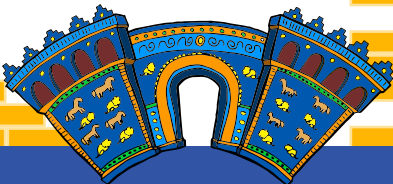


रंग भरा



| | | | | | | | | | | |
|----|----|----|-----|-----|-----|------|-----|----|-----|----|
| दा | ग | आ | वा | ई | ट | ग | दा | खा | णे | आ |
| अ | दा | अ | दा | सा | सा | अ | प | शौ | ग | अ |
| ग | प | स | प | र्व | आ | सा | सां | ग | र्य | ग |
| व | आ | ग | त्य | भौ | ग | नं | आ | गा | आ | दा |
| त | अ | ग | अ | म | प | दा | द | ग | अ | दा |
| आ | दा | आ | र्व | प | दा | श्चा | अ | क | दा | नी |
| ग | झा | ग | सा | आ | स्व | आ | ता | दा | रा | ए |
| दा | प | ड | दा | अ | ग | प्न | ग | प | ग | ल |
| अ | दा | ग | अ | र्थ | सां | ग | णे | दा | अ | आ |
| आ | आ | नं | द | घे | णे | दा | आ | ग | ये | शु |

शौर्य
सत्य
दानीएल
आनंदघेणे
वाईट
आनंदकरा
झाड
स्वप्न
गवत
अर्थसांगणे
पश्चाताप
गर्व
सार्वभौम
सांगा
येशू
खाणे



4. शौर्य स्वतःच्या आधी इतरांना ठेवते एस्तेर 3-9 तिच्या लोकांचे तारण



शुरपणाचा सराव करा
आणि तुम्ही ख्रिस्ती
आहात हे इतरांना
सांगा.

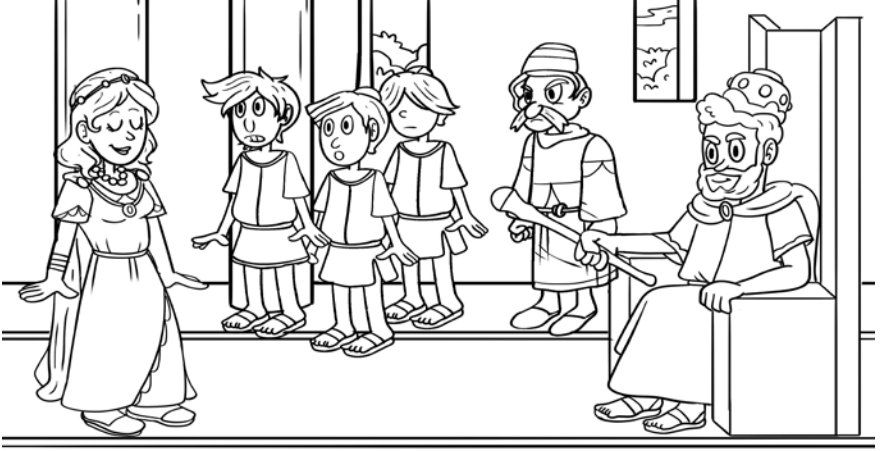


आजच्या गोष्टीचे चित्र काढा.

पाठांतर वचन

1 योहानाचे 3:16
“ख्रिस्ताने आपल्याकरता
स्वतःचा प्राण अर्पण केला
ह्यावरून आपल्याला
देवाच्या प्रीतीची जाणीव
झाली आहे; तेव्हा आपणही
आपल्या बंधूकरता स्वतःचा
प्राण अर्पण केला पाहिजे.”





| | | | | | | | | | | |
|----|----|-----|----|------|------|-----|-----|-----|-----|----|
| रा | ए | मे | ए | स्ते | र | रा | ए | शौ | आ | रा |
| मे | घा | रा | आ | ए | फा | मे | हा | सां | र्य | ए |
| द | वा | पा | र | सी | शी | व | वा | मा | रा | मे |
| य | च | सां | आ | घा | आ | सां | शती | ए | न | आ |
| घा | वि | म | गि | मे | ज | वा | णी | मे | आ | जा |
| ए | णे | र्द | चु | त | सां | चु | घा | रा | ब | मो |
| रा | मे | ख | घा | चु | ले | वा | ल | ए | चा | ड |
| दी | ए | य | रा | आ | ए | सां | रा | ता | व | ली |
| हू | आ | ए | घा | ब | र | ले | मे | ए | चु | रा |
| य | रा | जा | अ | ह | श्वे | रो | श | सां | रा | णी |

शौर्य
एस्तेर
राजाअहश्वेरोश
वशती

आजामोडली
मेदय
पारसी
चुलता
मर्दखय

राणी
हामान
मेजवाणी
यहूदी
बचोव

घाबरले
सांगितले
वाचविणे
फाशी



5. शौर्य टिकन राहते दानीएल 6: दैनंदिन भक्ति आणि सिंह



दानीएलासारखे, आज
तीन प्रार्थना करा.



आजच्या गोष्टीचे चित्र काढा.

पाठांतर वचन

इब्री लोकांस पत्र 10:36
“तुम्ही देवाच्या
इच्छेप्रमाणे वागून
वचनानुसार फलप्राप्ती
करून घ्यावी, म्हणून
तुम्हांला सहनशक्तीचे
अगत्य आहे.”



| | | | | | | | | | |
|----|------|----|-----|----|----|----|-------|------|----|
| बे | बे | रा | हे | फ | गी | फ | दे | प्रा | टि |
| ने | का | द | दा | वा | त | र | प | र्थ | क |
| दे | बे | य | तों | रा | गा | मा | वि | ना | णा |
| रा | व | ने | दे | ड | णे | न | त्र | क | रे |
| जा | रा | दू | बे | शी | भि | टि | शा | र | दा |
| दा | दे | भि | त | भ | र | वा | स्त्र | णे | टि |
| र | द | भि | ती | दा | य | क | भ | फ | दा |
| या | रा | द | फ | टि | भ | ने | दे | बे | नी |
| वे | सिं | ने | र | गु | दा | द | ह | भि | ए |
| श | टि | ह | दे | रो | हा | फ | ने | मी | ल |
| आ | ज्ञा | पा | ळ | त | ज | वा | च | णे | बे |
| भ | क्ती | द | भ | र | व | सा | ठे | व | त |

टिकणारे
भक्ती
बेकायदेशीर
दानीएल
दररोज
राजा दारयावेश
फरमान
हेवा
नेहमी
भितीदायक
सिंह
गुहा
दैवदूत
तोंड
भरवसाठेवत
आज्ञा पाळत
वाचणे
पवित्र शास्त्र
प्रार्थनाकरणे
गीत गाणे





रोमकरांस पत्र 8:15 कारण पुन्हा
भीती बाळगावी असा दासपणाचा
आत्मा तुम्हांला मिळाला नाही; तर
ज्याच्या योगे आपण “अब्बा! बापा!”
अशी हाक मारतो असा दत्तकपणाचा
आत्मा तुम्हांला मिळाला आहे.”



Medium
Camels Marathi



www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
We are located in Mexico.
00-52-592-924-9041

